3, 71, 438
प्रसारण संख्या का विश्व कीर्तिमान रचने वाली भारत की एकमात्र बाल पत्रिका

सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी बाल मासिक
देवपुत्र

ये भारत देश है मेरा

# नीलकंठ महादेव मंदिर

● सुशील सरित

भारत के पावन तीर्थों की श्रृंखला में हरिद्वार का अपना एक विशिष्ट स्थान है। हरिद्वार को हर का द्वार यूं ही नहीं कहा जाता है। हरिद्वार के कण – कण में देवगण निवास करते हैं, ऐसी मान्यता है। पुण्य–सलिला भागीरथी अपने पूर्ण रूप में यहीं दृष्टिगोचर होती है। ऋषिकेश एवं लक्ष्मण झूले के मध्य गंगाजी के पूर्वी तट पर स्वर्ग आश्रम है। इस पौराणिक सिद्ध स्थल की कथा एक विशिष्ट घटनाक्रम से जुड़ी हुई है। देव–दानव युद्ध के समय समुद्र मंथन उस मंथन में १४ रत्नों की प्राप्ति एवं उसी मंथन में निकले विष का लोकहिताय शिव द्वारा पान किए जाने की कथा से बिरला ही अपरिचित होगा। इसी के कारण उनका कण्ठ नीला हो गया और वे नीलकण्ठ कहलाए।

सृष्टि का रहस्य अदभुत है। प्रत्येक काल चक्र में सृष्टि चक्र की घटनाएं एक समान होती हैं। सदैव ही देव और दानव (वास्तविक अर्थ है निर्माणात्मक शक्तियां और ध्वंसात्मक शक्तियां)का युद्ध होता है। उस युद्ध में समुद्र मंथन भी होता है।(यहां मंथन प्रतीकात्मक अर्थ है नवीन आविष्कार ये आविष्कार विष तुल्य संहारक भी हो